

2 | फरीदावाद

मुझे टिकट मिली हो एक्सी का युवाज
नहुं के लिए तेजार हूँ। राजेश नायर

6 | अभिमत

वाह बिलाई
परिवेष का प्राप्त

9 | देश-विदेश

जाहो जबलका कराह सत्याग, राज्यों
में हो लो ऐसे प्राचीन का विरोग हो जाए

11 | फीचर

दुमिया भर में धैरण 2.5 में कर्मी आजे
का याता, और कर्जी लाले का युवाज

RNI NO. HARY/2018/75126

प्र १ अप्र २०१

परीदावाद, इस्सा, २५ जिला, २०२३

प्र १२, अप्र १ अप्र

नया संस्कार



परीदावाद, चंद इलाजी, सखनज और गणपति से प्रकाशित

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए, YouTube मब्स्काइब करें Pioneer Haryana



सुपर चार में अपनी
उम्मीदें जीवंत रखने
जरेगा बांगलादेश

पैज - 12

जी-20 विषय पर स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन



फरीदावाद। भारतवाल महानियानय बल्लभगढ़ में प्राचार्य द्वौं कृष्णकृत गुप्ता के मार्गदर्शन में एनसोसी के अंतर्गत जी-20 विषय पर स्लोगन लेखन और प्रसन्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। द्वौं देवेंद्र गहलोत ने कैडेट के समक्ष जी-20 विषय पर अपने विचार रखते हुए बताया कि जी-20 को सुप औफ ट्रैटी कहा जाता है। इस सम्पूर्ण के 19 देश सदस्य हैं, सुप का 20वां सदस्य यूरोपीय संघ है। जी-20 समिट का आयोजन साल में एक बार होता है, हालांकि 2008 से सुरुआत के बाद 2009 और 2010 याल में जी-20 समिट का आयोजन दो-दो बार किया गया था। इस सम्मेलन में सुप के सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्ष को बुलाया जाता है और कुछ अन्य देशों को भी बुलाया जाता है। इसके बाद सभी देशों के राष्ट्राध्यक्ष बैठकर कई मुहूर्हों पर चर्चा करते हैं। भारत को अध्यक्षता में इस साल जी-20 सम्मेलन दिल्ली के प्रातिमित्रन में आयोजित होने जा रहा है। द्वौं पूजा देवी ने बताया कि जी-20 को बैठक को अध्यक्षता हर साल अलग देश करता है। पिछले साल ये बैठक इंडोनेशिया में हुई थी, उसके बाद इंडोनेशिया ने इस अध्यक्षता को भारत को सौंप दिया। इस साल भारत इस सम्पूर्ण की मेजबानी कर रहा है। भारत की जी-20 की अध्यक्षता ने उपको वैशिक नेतृत्व भूमिका में एक घटनाकृत योग का पत्रम् स्थापित किया है। अपनी अध्यक्षता का लाभ उद्देश्य, भारत ऐसी महायोगात्मक समझानी को बढ़ावा दे रहा है, जो न केवल उन्होंने अपनी आत्मावी को लाभान्वित करते हैं, बल्कि व्यापक वैशिक कानून्यान में योगदान करते हैं, जो वसुपूर्व कुटुम्बकम् या विश्व एक परिवार है, की उसकी भावना को मजबूत करता है। सभी एनसोसी कैडेट में लड़ ऊपर ह से इसमें भाग लिया और अपनी उपर्युक्ति दर्ज की। स्लोगन लेखन में प्रथम व्याप्ति कैडेट वैशिका ने प्राप्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में यह लेपिटेन्ट द्वौं पूजा देवी व द्वौं देवेंद्र गहलोत का विशेष योगदान रहा है।